

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी का दावा: अब तक 16 से 20 लाख करोड़ का निवेश जमीन पर उतरा, सात लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में पेश किए गए 12 हजार 209 करोड़ के अनुपूरक बजट पर कहा कि ये बजट प्रदेश के सपनों को पूरा करने में सहायक होगा। उन्होंने इसी वर्ष पेश किए गए मूल बजट पर भी जानकारी दी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा को संबोधित करते हुए 12 हजार 209 करोड़ रुपये के पेश किए गए बजट पर कहा कि ये बजट यूपी के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पेश किए गए मूल बजट की 40 प्रतिशत राशि को अलग-अलग विभागों के लिए

आवंटित कर दिया गया है। वहीं, 20 प्रतिशत खर्च हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यूपी की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ी है और प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक हुआ है। 2017 के पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था पर अब प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है यही कारण है कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिसमें से 16 से 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारने में हमें सफलता प्राप्त हुई। इससे प्रदेश में सात लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक नए भारत का दर्शन कराया है।

बीते 10 वर्षों में देश की प्रतिव्यक्ति आय और जीडीपी बढ़ी है। 2014 के पहले भारत विश्व की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था जो कि अब विश्व में पांचवे स्थान पर आ गया है। आगे आने वाले तीन वर्षों में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उत्तर प्रदेश का देश की अर्थव्यवस्था के विकास में



प्रमुख योगदान हो इसके लिए हम लगातार कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि भारत की विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में यूपी का बड़ा योगदान होगा। पारदर्शी होगी सिपाही भर्ती परीक्षा- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि इस महीने के

अंत में 60 हजार पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा 10 चरणों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा पारदर्शी होगी। हम किसी को भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। पेपर लीक करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। बृहस्पतिवार को विधान परिषद

में प्रश्न प्रहर के साथ सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई। कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा भी किया। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा में हरिशंकर तिवारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने गोरखपुर में मूर्ति के लिए बन रहा फाउंडेशन तोड़वा दिया। इस पर सपा सदस्यों ने हंगामा किया।

मान-सम्मान पर चला बुलडोजर..., हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा के चबूतरे पर चला पीला पंजा तो भड़के अखिलेश यादव

गोरखपुर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनकी प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने बुलडोजर से गिरा दिया। इस पर अखिलेश यादव भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान और मकान पर चलता था, लेकिन अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी बुलडोजर चलने लगा है। पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी के पैतृक गांव टाड़ा में उनकी प्रतिमा लगाने के लिए बनाए जा रहे चबूतरे को बुधवार दोपहर में प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया। इस कार्रवाई पर

अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा बाबा का बुलडोजर...



हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर ने नाराजगी व्यक्त की है। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि अब तक भाजपा का बुलडोजर मकान-दुकान पर चलता था, लेकिन अब यह दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लग गया है। एसडीएम गोला के नेतृत्व में कार्रवाई करने गई टीम को ग्रामीणों का विरोध भी झेलना पड़ा। काफी देर तक प्रशासन और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक होती रही। प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा लगाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार, पांच अगस्त को पंडित हरिशंकर तिवारी की 88वीं जयंती है। इसे लेकर क्षेत्र के उद्योगपति प्रेम सागर तिवारी, ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी, राहुल तिवारी, मोनू समेत अन्य लोगों के सुझाव पर टाड़ा गांव के प्रवेश द्वार के बगल में निजी खर्च से पूर्व मंत्री की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का निर्णय लिया गया था। ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी की मानें तो ग्राम पंचायत ने उस स्थान पर प्रतिमा लगाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। इसी बीच 21 जुलाई को टांडा गांव के डॉ. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी ने उपजिलाधिकारी गोला को पत्रक देकर सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा स्थापना करने पर विरोध जताया। उन्होंने पत्र की कॉपी मुख्य सचिव, कमिश्नर, जिलाधिकारी, एसएसपी, सीओ गोला के साथ प्रभारी निरीक्षक बड़हलगांज को भी भेजी थी। इधर, प्रतिमा स्थापित करने के लिए चबूतरे का निर्माण शुरू हो गया। शिकायत को देखते हुए ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी समेत ग्रामीणों ने 29 जुलाई को डीएम से मुलाकात की और ग्राम पंचायत व भूमि प्रबंधन समिति का प्रस्ताव सौंपकर प्रतिमा स्थापना की अनुमति मांगी। ग्रामीणों का कहना है कि राजनीतिक दबाव के चलते उपजिलाधिकारी और तहसीलदार गोला पुलिस फोर्स लेकर बुधवार को बुलडोजर के साथ पहुंचे और चबूतरे को गिरवा दिया। जबकि स्थानीय पुलिस के मना करने पर काम दो दिनों से रुका था। पुलिस को सूचित कर दिया गया था कि बिना अनुमति कार्य नहीं कराया जाएगा। मौके पर उपस्थित पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनय तिवारी, आलोक त्रिपाठी, राहुल तिवारी, सौरभ तिवारी आदि ने बिना किसी नोटिस के अचानक चबूतरा गिराने पर विरोध जताया। यह राजनीतिक अराजकता है - विनय शंकर- पंडित हरिशंकर तिवारी के पुत्र चिह्नपार के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने कहा कि यह राजनीतिक अराजकता और प्रशासनिक ज्यादाती है। यह सत्ता के अहंकार की निकट पराकाष्ठा है। व्यक्तिगत शत्रुता के चलते ब्राह्मण स्वाभिमान को चुनौती दी गई है। इसका निर्णय समय आने पर चिह्नपार विधानसभा क्षेत्र और प्रदेश के लोग करेंगे। अपने सहयोगियों, समर्थकों से धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील करते हुए विनय शंकर तिवारी ने कहा कि इस अनौचित का उत्तर जरूर दिया जाएगा, लेकिन कानून-व्यवस्था और धर्यादा की परिधि में रहकर। अखिलेश ने कसा तंज- अखिलेश यादव ने पोस्ट करते हुए लिखा अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। चिह्नपार के सात बार विधायक रहे उग्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री हरिशंकर तिवारी जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा के प्रस्तावित स्थापना स्थल को भाजपा सरकार द्वारा तुड़वा देना, बेहद आपत्तिजनक कृत्य है। प्रतिमा स्थापना स्थल का तत्काल पुनर्निर्माण हो, जिससे जयंती दिवस 5 अगस्त को प्रतिमा की ससम्मान स्थापना हो सके। निंदनीय!

राज्यसभा में धनखड़ ने की संघ की तारीफ तो भड़के सिब्वल, बोले- सदस्य अपनी राय रख सकते, सभापति नहीं

जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आरएसएस पर टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि यह राष्ट्र की सेवा में लगा संगठन है और संगठन से जुड़े लोग निस्वार्थ भाव से काम करते हैं। अब इसी बयान पर कपिल सिब्वल ने प्रतिक्रिया दी है। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा राज्यसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कसीदे पढ़े जाने पर सियासी विवाद गहरा गया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्वल ने धनखड़ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उच्च सदन के सभापति का बयान परंपरा के बिल्कुल उलट है। इस तरह की राय एक सदस्य रख सकता है, मगर सभापति नहीं। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आरएसएस पर टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। साथ ही उन्होंने आरएसएस की तारीफ में कसीदे पढ़े थे। उन्होंने कहा था कि यह राष्ट्र की सेवा में लगा संगठन है और संगठन से जुड़े लोग निस्वार्थ भाव से काम करते हैं। देश के काम में लगे संगठन की आलोचना करना संविधान के खिलाफ है और उसे देश की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का अधिकार है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें टोकने की कोशिश भी की थी। इस हंगामे के बाद बसपा और बीजद सहित विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया था। सिब्वल का हमला- अब राज्यसभा के सभापति की टिप्पणी पर सिब्वल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, %धनखड़ जी ने कहा था कि एक संगठन के रूप में आरएसएस की साख बेजोड़ है। इस पर मेरा मानना है कि यह सिर्फ उनकी राय है, जिससे सदन में अन्य लोग असहमत हो सकते हैं। निर्दलीय सांसद ने आगे कहा कि चूँकि धनखड़ राज्यसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस तरह की राय एक सदस्य द्वारा दी जा सकती है, लेकिन सभापति द्वारा नहीं। यह परंपरा के बिल्कुल विपरीत है।

गोमती नगर में युवती से अभद्रता: मुख्यमंत्री योगी सख्त, पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, कई अफसर हटे व कई निलंबित

लखनऊ के गोमती नगर इलाके में युवती से हुई अभद्रता मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। डीसीपी पूर्वी समेत एडीसीपी और एसीपी को हटा दिया गया है। वहीं, चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के गोमतीनगर में बारिश के बाद हुई शर्मशार करने वाली घटना पर गहरी नाराजगी जताई है। मामले में लापरवाही पूर्वी और एसीपी करते हुए तत्काल प्रभाव गोमतीनगर इंस्पेक्टर, चौकी के सभी दिया गया है। लखनऊ खिलाफ सुसंगत धाराओं आरोपियों को अरेस्ट कर गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। जेसीपी क्राइम आकाश कुलहरि ने कहा कि अब तक 10 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी तलाश में पांच टीमें लगाई गई हैं। डीसीपी पूर्वी समेत एडीसीपी और एसीपी हटाये गये, चार निलंबित- सीएम योगी ने मामले का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने घटना पर नाराजगी हाजिर कर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये। सीएम योगी की नाराजगी पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। साथ ही सीएम के निर्देश पर शासन ने तत्काल प्रभाव से डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह, एडीसीपी अमित कुमारवत और एसीपी गोमतीनगर अंशु जैन को पद से हटा दिया। इसके साथ ही गोमतीनगर इंस्पेक्टर दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी इंचार्ज ऋषि विवेक, दरोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार को सस्पेंड कर दिया। वहीं आरोपियों की जल्दी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि राजधानी में बुधवार तेज बारिश के बाद ताज होटल के निकट गोमतीनगर थाना क्षेत्र में बने अंडरपास के पास जलभराव हो गया। इस दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा अंडरपास से गुजरने वाले राहगीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियां करने की सूचना का संज्ञान लेते हुए गोमतीनगर में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 191(2), 3(5), 272, 285 और 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने/ लज्जाभंग संबंधी) बीएनएस 2023 के तहत रिपोर्ट दर्ज की। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार अलग-अलग टीम बनाई गई। इन अफसरों पर पुलिस कर्मियों को किया गया तैनात- पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के बाद शशांक सिंह को डीसीपी पूर्वी, पंकज सिंह एडीसीपी पूर्वी, विकास जायसवाल को एसीपी गोमती नगर बनाया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी को एसएचओ गोमती नगर बनाया गया। हटाए गए प्रबल प्रताप सिंह को डीसीपी यूपी 112, अमित कुमारवत को एडीसीपी मुख्यालय में तैनाती दी गई है। इसी अंशु जैन को एसीपी महिला अपराध नियुक्त किया गया है। चार को भेजा जेल, अन्य की गिरफ्तारी को जारी है छापेमारी- पुलिस कमिश्नर ने बताया कि क्राइम टीम ने छापेमारी के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर बुधवार देर रात दो आरोपियों पवन यादव और सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं, उनकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपियों मोहम्मद अरबाज और विराज साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।



संक्षिप्त समाचार

श्रीकृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद : हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, मंदिर के पक्ष में आया फैसला

भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान व शाही मस्जिद ईदगाह पक्षों के मध्य लंबित वाद में हाईकोर्ट ने वाद की पोषणियता मामले में मंदिर पक्ष में फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है। हाईकोर्ट में 12 अगस्त से सिविल वादों की सुनवाई शुरू होगी मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद में लंबित 18 सिविल वादों की पोषणीयता पर हिंदू पक्ष को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल सिविल वाद पोषणीय है। झटके पर झटका खा रही ईदगाह कमेटी हाइकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी सिविल वादों की पोषणीयता को लेकर दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन अदालत ने दिन प्रतिदिन लंबी सुनवाई की थी। इसके बाद जून में फैसला सुरक्षित कर लिया था। हिंदू पक्ष के सिविल वाद शाही ईदगाह मस्जिद का बांका हटाकर जमीन का कब्जा देने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग को लेकर दायर किए गए हैं। दावा है कि मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को कथित तौर पर ध्वस्त करने के बाद किया गया है। इसलिए उस विवादित स्थल पर हिंदुओं को पूजा का अधिकार है। वहीं, वादियों की विधिक हैसियत पर सवाल खड़ा करते हुए मुस्लिम पक्ष का कहना है

संपादकीय Editorial

Listen to our echo too

The 'Monday Meeting', which shows the willpower of the Himachal government, always searches for some conclusions, some advice and some glory, but the ears of Shimla are unable to hear the state completely. The forest department will start mining in the Beas river, this is a policy decision, but the corporation related to this department is unable to fulfill our needs of timber despite assurances for years. Many types of construction styles related to timber have developed in the Vastushastra of Himachal, but now even if the consumer wants, he is unable to get the timber of his needs from the department. The department has been planting trees for years, but is unable to give the account of new trees. Earlier there was a vast store of herbs in the forest, but now it is unable to tell anything properly. Even though the direct blame for the shocking accidents falls on the trees of the forest department, but it has no responsibility for this and neither is there any provision for paying compensation. For the past few days, a tree that has been uprooted from a club in Dharamshala is posing a threat to visitors at the main gate of the art museum, but in the name of forest conservation, the department is sitting somewhere far away with cotton in its ears. A few months ago, in this very city, a tree, by exerting its strength, uprooted the roof of a part of the martyr's memorial. The broken roof at the entrance of the War Museum has spent an entire tourist season, but now the forest department is not the heir to the responsibility of repairing the estimated cost of five lakhs. After all, how can this department be so selfish, insensitive and careless? Anyway, how dare the trees that get uprooted for the entertainment of the forest festival be disposed of. Now it remains to be seen what kind of bells the forest department wears in mining. The 'Monday meeting' has more power than the cabinet meetings and this is often proved by its action, but when the deadly jaundice of Jogindernagar bites two people, there should be an uproar. Strict action should be taken with continuous efforts. The fault of the BSc Nursing student of Jogindernagar was that she had drunk water from a public tap. The fault of her parents was that she died while they were taking her to PGI, away from the hospitals and medical colleges of the state, due to her deteriorating condition due to jaundice. If only the water laboratories of the state had tested the water correctly and on time. If only there was so much trust in the status of Jogindernagar to Tanda Medical College that this girl could have been saved from jaundice. Why were the traders of Nagarota Bagwan taking out a protest rally on Monday, if this echo had reached the Monday meeting, the status of justice would have increased. A lot of time has passed since the case of the fraud of fourteen crores with the biggest transport house of Himachal came to light, but the fraud of Nagarota Bagwan itself is comfortably away from the clutches of the police. Meanwhile, Nagarota celebrated many festivals, declared it as an occasion of government announcements, but the wanted criminal of the biggest fraud of the state did not come under the grip of the police. Either another police district should be created in Kangra, so that the morale of the department also remains high in the face of crime, otherwise every citizen will have to arrange for security walls for himself. We believe and trust that the existence of administration and good governance will get some bold goals from the 'Monday Meeting'. We need a natural culture to move from the formality of law, administration and management to a practical system, but it is sad when there are trees on the walls of a DC office building, bushes in the premises and stray animals roaming in the courtyard.

Wayanad landslide tragedy: The result of ignoring scientific warnings

If we keep ignoring the warnings of scientists, environmentalists and expert institutions, then we will have to wait for such horrific accidents. In the map of 147 districts of the country sensitive to landslides prepared last year by the Indian Space Research Organization (ISRO), Uttarakhand was shown as the most sensitive among the Himalayan states and Kerala was second in the south. Actually, in this map, all 13 districts of Uttarakhand including Rudraprayag and Tehri were shown as sensitive to landslides, while in the same map all 14 out of 14 districts of Kerala were also considered sensitive, in which Thrissur of Kerala was placed at number three, Palakkad at fifth, Malappuram at seventh, Kozhikode at tenth and Bayanad at 13th. We had already seen the result of that scientific study done by ISRO in Himachal Pradesh and Uttarakhand last year, but now ISRO's prediction came true in Kerala on the morning of 30th July. Ignoring scientific warnings and dire consequences - If we keep ignoring the warnings of scientists, environmentalists and expert institutions in time, then similar horrific accidents will have to wait. The risk of landslides in the Western Ghats and Himalayan states is certainly natural, which we cannot eliminate, but this risk has increased significantly due to human factors, so to avoid it, it is important that we learn to live with nature and do not tamper with nature as far as possible. Wayanad tragedy is the result of depletion of forest cover - If we look at the Forest Status Report of 2001 of the Forest Survey Department of India, then at that time there were 11,772 dense forests and 3,788 open forests in Kerala. In the latest 2021 report of the department, dense forests have been classified as very dense and normal dense forests. In this report, 1,944 sq km of very dense, 9,472 sq km of moderately dense and 9,837 open forests have been shown in the state. If both the categories of dense forests of the latest report are added, it becomes 11,416 sq km. Whereas in 2001, there were a total of 11,772 sq km of dense forests in the state. In this way, 356 sq km of dense forests disappeared in the state in two decades. In comparison to the report of the year 2019, within 2 years, 36 sq km of dense forests in Kerala decreased and the size of open forests increased by 136 sq km. Dense forests are a natural umbrella of the earth which not only stops the heavy drops of rain, but the roots of those trees also hold the soil, which prevents landslides. Landslides occur only in hilly areas, hence the Himalayan states as well as the hilly areas of Karnataka, Tamil Nadu, Maharashtra, Goa and Gujarat related to the Western Ghats have been considered more vulnerable to landslides. 10 out of 14 districts of Kerala are hilly where forests cover an area of ??16,959 sq km. Of these forests, 15,49 sq km are very dense, 7212 sq km are moderately dense and 7212 sq km are open forests. Forests are being lost in these hill districts. Long history of landslide tragedies in Kerala - The latest landslide in Wayanad is not a new tragedy in Kerala. There are natural causes for landslides here, but human causes are no less responsible for this. In the state, in 2001, a major landslide in Kottayam district also killed many people and caused extensive damage. During the monsoon season, there are examples of loss of life and property due to landslides in Idukki district and other areas. The 2018 floods were accompanied by several landslides across the state. At that time, there was heavy damage, especially in the hill districts of Idukki, Wayanad and Malappuram. Similarly, in 2019 also, massive landslides occurred in various districts. At that time, areas like Puthumala in Wayanad and Kavalappara in Malappuram were severely affected. In August 2020, a horrific landslide occurred in Pettimudi area of ??Idukki district, killing at least 66 people. Sea proximity causes excessive rainfall - Kerala receives heavy and intense rainfall during the monsoon season, which weakens the bearing capacity of the soil, leading to landslides. According to a study by the Centre for Atmospheric Radar Research at Cochin University of Science and Technology (CUSAT), the warming of the Arabian Sea is leading to the formation of dense cloud systems, which is causing extremely heavy rainfall in Kerala in a short period of time and increasing the possibility of landslides. The study said that the increase in the intensity of rainfall is increasing the chances of landslides in the high to mid-land slopes of the Western Ghats in eastern Kerala during the monsoon season. The conversion of forests into agricultural and urban areas is reducing the natural vegetation cover that helps stabilize the soil. Population concentration, rapid urbanization and infrastructure development in some places in the hilly areas of Kerala are deteriorating the natural terrain and drainage pattern, increasing the risk of landslides. According to experts, changes in natural drainage patterns due to human activities or natural events are increasing water accumulation and water pressure in the pores, making the slopes unstable. Gadgil report lost in files The "Western Ghats Ecology Expert Panel" constituted by the Government of India under the leadership of landslide ecologist Madhav Gadgil submitted its report to the Center in 2011, recommending that the entire hill range be declared an ecologically sensitive area and that areas be classified as ecologically sensitive areas based on their ecological sensitivity. should be divided. But those recommendations were ignored. Landslides are one of the common geological hazards in hilly areas across the country. In India, about 0.42 million sq km or 12.6 percent of the land area is vulnerable to landslides, excluding the snow-covered area. Out of this, 0.18 million sq km falls in the North East Himalayas. 0.09 million sq km in the Western Ghats and Konkan Hills (Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Goa and Maharashtra) and 0.01 million sq km in the Eastern Ghats of Aruku region of Andhra Pradesh have been identified as landslide vulnerable. Actually, not only Kerala or Uttarakhand, but all the hilly areas of the south along with the Himalayas are vulnerable to landslides. ISRO has considered 147 districts of 17 states and two union territories of the country as vulnerable. According to ISRO's risk map, between 2014 and 2017, 12,385 landslides were recorded in Mizoram, 11,219 in Uttarakhand, 8,070 in Tripura, 7,689 in Arunachal, 7,280 in Jammu and Kashmir and 6039 in Kerala. Degradation of forest cover in the northeastern districts is also a major cause of landslides.

Importance of people of Indian origin, rare coincidence of Indian links in US Presidential elections

It is natural that Indian leaders should not get involved in such matters because such a situation becomes like a double-edged sword. It is good that Indian political parties have started forming their cells abroad as well. NRIs have full right to interfere in the political activities of India. However, parties should also show some restraint in mobilizing them. The eyes of the whole world are fixed on the US Presidential elections at this time. A rare coincidence of Indian links is associated with this election. While the current Vice President Kamala Harris is very close to becoming the presidential candidate from the Democratic Party, JD Vance, who has been nominated by the Republican Party for the post of Vice President, his wife Usha Vance also has roots in India. Both Harris and Usha are second generation Americans. Vance has very cordial relations with his in-laws, so naturally Usha will play an important role in her husband's campaign. Harris directly and Usha indirectly have become a part of the list of people of Indian origin who are making their presence felt in high political positions in Western countries. This list is very long. Rishi Sunak of Indian origin was the Prime Minister of Britain till some time ago. His wife Akshata Murthy is also of Indian origin, who is the daughter of veteran entrepreneur NR Narayana Murthy. Rishi and Akshata never hid their faith in Hinduism. Ireland and Portugal have also been led by leaders whose roots were partly of Indian origin. Former Irish Prime Minister Leo Varadkar's father was Indian, while Portugal's former Prime Minister Antonio Costa's father was partly Indian. People of Indian origin are also leaving their mark on Canadian politics. Apart from this, people of Indian origin have led governments in Mauritius, Guyana, Fiji and Trinidad and Tobago. Most of these leaders feel their connection with India, but it should never be forgotten that their top priority is linked to the fulfillment of their national interests. Recently, this was clearly seen in the case of Sunak. During his tenure, neither the talks on the free trade agreement could move forward nor was there any agreement on the extradition of fugitives like Vijay Mallya. Not only this, his government also failed to curb anti-India Khalistani elements. This shows that the kind of enthusiasm and joy seen in some sections of India on the rise of such people on the political scene does not result in any political or diplomatic benefit for India. Circumstances say that a clear view is necessary regarding Indians living abroad. To fulfill this objective, we have to understand the difference between People of Indian Origin i.e. PIO and Non-Resident Indians i.e. NRI. Out of these, NRIs are completely Indians and the government is completely responsible for the protection and welfare of their interests, whereas PIOs are foreigners, who are counted as OCI card holders as a kind of 'undeclared citizen' of India. This often creates a situation of confusion. The Indian Constitution does not recognize dual nationality. Therefore, when an Indian becomes a citizen of another country, his Indian citizenship automatically ends. Therefore, OCI cardholders do not have any political rights. These cardholders have extended visas for India and can participate in the Indian economy to a much larger extent than other foreign nationals. In such a situation, it would be better if the OCI card is given some new name, so that there is no scope for any kind of confusion. The BJP government has paid a lot of attention to connecting the links between people of Indian origin and India. In this connection, along with annual events like Pravasi Bharatiya Divas, Pravasi Bharatiya Samman are also given. There is no harm in cultivating the Indian cultural roots of PIOs to enrich them. PIOs should also be given every possible opportunity towards economic engagement with India, so that they can get mutual benefit. Along with this, we should also accept that Indians who once went abroad as laborers have also adopted the local culture. If we take the example of Mauritius, even though the elderly PIOs still speak Bhojpur, their younger generation has adopted the Creole language, which is spoken by most Mauritians. This process reflects the maturity of the expatriate community. In countries like America, the expatriate communities are given the opportunity to create their own lobby, so that they can become a medium to establish political links between their native country and America. The most powerful lobby there is that of the Jews, which works for Israel.

उपज के स्थापना दिवस पत्रकार उमेश कैरे को उनके अद्वितीय योगदान और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उनके घर जाकर सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। आज पत्रकारों की संस्था उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट, उपज, के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, शहर के सबसे वरिष्ठ और मशहूर पत्रकार उमेश कैरे को उनके अद्वितीय योगदान और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उनके घर जाकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन वरिष्ठ



उजागर किया और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया। उनके लेख, रिपोर्टिंग और विश्लेषणों ने न केवल लोगों को जागरूक किया, बल्कि प्रशासन और नीति-निर्माताओं पर भी प्रभाव डाला। सम्मान समारोह की शुरुआत उपज संस्था के नए सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम शर्मा ने संचालन करके की। समारोह में उमेश कैरे जी को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर संस्था के अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और उमेश कैरे के योगदान को सराहा। उमेश कैरे ने अपने सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ऋयह मेरे लिए गर्व और खुशी का क्षण है। मैंने हमेशा पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में देखा है, और आज मुझे खुशी है कि मेरे कार्यों को इस प्रकार सम्मानित किया जा रहा है। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों और संस्था के सदस्यों ने उमेश कैरे के अनुभवों और उनकी जीवन यात्रा के बारे में सुना और उनसे प्रेरणा प्राप्त की। यह कार्यक्रम न केवल उमेश कैरे के सम्मान का प्रतीक था, बल्कि युवा पत्रकारों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत साबित हुआ। उपज के अध्यक्ष श्री हरी प्रकाश शर्मा ने कहा ऋपज ने उमेश कैरे जी के सम्मान के साथ-साथ उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस सम्मान समारोह ने यह साबित कर दिया कि सच्ची और निष्ठावान पत्रकारिता हमेशा समाज में उच्च स्थान रखती है और ऐसे पत्रकारों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। उमेश कैरे जैसे महान व्यक्तित्व की प्रेरणा हम सभी के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी।ऋ कार्यक्रम के समापन पर उपज के सभी सदस्यों ने उमेश प्रसाद कैरे जी के संग एकत्रित होकर पौधारोपण भी किया। यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस स्थापना दिवस पर सम्मान कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश शर्मा, उपज के अध्यक्ष हरिप्रकाश शर्मा, महामंत्री कुमार देव, संगठन सचिव ओपी रोड़ा, संयुक्त सचिव वीरभान सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, मनोज रस्तोगी, श्री राम शर्मा, मोहम्मद सोहेल खान, संतोष बडोला आदि की उपस्थिति से चार चांद लगे तथा सभी उपस्थित लोगों ने उमेश कैरे के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

खुशखबरी! सावन की शिवरात्रि पर शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित

मुरादाबाद – 2 अगस्त को सावन की शिवरात्रि पर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया है। जिलाधिकारी ने जारी आदेश में बताया कि सावन की शिवरात्रि पर बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़िये मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं।कांवड़ियों की अधिक संख्या के चलते जगह जगह जाम की स्थिति होती है, जिससे दुर्घटना और शांति भंग होने की आशंका



रहती है। इसको देखते हुए जिले के बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा के अधीन यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा और

हाईवे पर कार से टकराई बाइक, दोनों वाहन जलकर राख

मुरादाबाद – हाईवे पर एक बाइक अचानक कार से जा टकराई। जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक दोनों वाहन धू धू कर जलने लगे। दोनों वाहनों के लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई।बुधवार की सुबह बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद निवासी नवीन सिंघल पुत्र किशन अपनी पत्नी स्वाति एवं बेटे के साथ कार से नैनीताल जा रहे थे। वह अपने बेटे को स्कूल में छोड़ने के लिए जा रहे थे। कार ड्राइवर राजवीर चला रहा था। तभी हाईवे पर जीरो प्वाइंट के पास उमरी



सब्जीपुर निवासी मुकेश पुत्र डालचंद बाइक से आ रहा था। वन वे होने की वजह से एक ही लेन से गुजर रहे थे। सामने कार को देखकर मुकेश ने अचानक बाइक में ब्रेक लगा दिए। जिससे बाइक फिसलकर कार के नीचे जा घुसी। इस बीच बाइक से निकली चिंगारी से कार में आग लग गई। जैसे ही दोनों वाहनों के लोग कुछ समझ पाते तब तक चिंगारी ने बड़ा रूप ले लिया। आनन-फानन में वाहन सवारों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं दोनों वाहन हाईवे पर धू धू कर जलने लगे। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक दोनों वाहन जलकर राख हो चुके थे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम अधिकारी के विरुद्ध किया जोरदार प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच –सिकंदर राजा

मुरादाबाद– सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी महानगर मुरादाबाद ने डीएम कार्यालय पर सैकड़ों की तादाद में पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन कर जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा है वही महानगर अध्यक्ष रवि चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम मुरादाबाद के दो अधिकारी जिनका नाम

शिव मोहन और विजेंद्र यादव है इन दोनों ने हमारी महिला पदाधिकारी के साथ अपशब्द भाषा का प्रयोग किया है इतना ही नहीं उनके सेलून के बाहर रखे जनेरेटर की रसीद भी काट दी और उनके अवैध रूप से वसूली की दरअसल मुरादाबाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी



के महानगर अध्यक्ष रवि चौधरी का आरोप है की नगर निगम के दो अधिकारियों ने महिला पदाधिकारी के साथ बदसलू की है और 20 हजार रुपए ले लिए और सर्फ 10 हजार रुपए की रसीद काट कर दे दी बाकी के पैसे वापस नहीं दिए उन्होंने मांग की है कि 10 हजार रुपए वापस कराए जाए, साथ ही दोनों अधिकारियों को महिला पदाधिकारी से माफी मांगे ताकी ऐसे भ्रष्ट अधिकारी महिलाओ का अपमान फिर दोबारा ना कर सके आगे महानगर अध्यक्ष ने कहा कि जेल रोड पर जो दुकाने हैं ,उन दुकानों को भी तोड़ने से रोका जाए और हम समस्त शासन और प्रशासन से अनुरोध करते हैं इन लोगों की दुकानें कहीं और शिफ्ट की जाए ताकि यह गरीब लोग अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सके वही महानगर अध्यक्ष का कहना है कि नगर निगम के इन दोनों भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाए और इनकी संपत्तियों की जांच कराई जाए आगे उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी एक सप्ताह के भीतर विशाल धरना प्रदर्शन करेगी और जरूरत पड़ी तो भूख हड़ताल पर भी रहेंगे जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी, वही इस प्रदर्शन में मुख्य रुप से महानगर अध्यक्ष रवि चौधरी, पूजा मिश्रा, महानगर संगठन मंत्री अमित चौधरी, महानगर महासचिव मनोज कुमार , सतीश ढल, आकाश शर्मा, अक्षत गोयल,आशु चौधरी,मनुज जैन,मनीष जैन,जतिन रांय,हर्ष चौधरी, सौरभ गिरी,चिंदू, गोविंदा,अमन एवम् अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों बच्चों का हुआ विवाद दो पक्षों में हुई मारपीट ,दो लोग घायल जिला अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच –सिकंदर राजा

मुरादाबाद– उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र गुईया बाग में उस समय हड़कंप मच गया जब बच्चों बच्चों के विवाद को लेकर माममें ने तूल पकड़ लिया और देखते ही देखते दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई जिसमें एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए दरअसल राजा उर्फ अदनान ब अरबाज इस मारपीट में घायल हो गए जिनको उपचार के लिए मुरादाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दोनों का उपचार किया जा रहा है फिलहाल इस मामले में घायलों ने मुगलपुरा पुलिस को एक लिखित में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है पीड़ित का आरोप है कि आदिल, सलमान ,अकरम, बा इमरान उर्फ बब्बू बा अन्य साथियों ने मिलकर हमारे ऊपर लाठी डंडों वहा धारदार हथियार से हमला बोल हमें घायल किया है



स्मार्ट सिटी में फैला बिजली के तारों का मकड़जाल, हादसे के बाद भी नहीं चेतें...खतरे में लोगों की जान

लाइनों के बीच दूरी और ऊंचाई के मानकों की अनदेखी, मंगलवार को चंद्रनगर में हुआ था हादसा

मुरादाबाद – स्मार्ट सिटी तारों के मकड़जाल में उलझी है। इससे स्मार्ट सिटी की सुरक्षा में संंध लग रही है। महानगर के घनी आबादी वाले मोहल्लों में इन तारों व बिजली के खंभों से आए दिन हादसे के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारी नहीं चेत रहे हैं। मंगलवार को चंद्रनगर में हाइटेशन लाइन में चिंगारी निकलने से एक घर में आग भी लग गई। बावजूद इसके विद्युत सुरक्षा नियमों की अनदेखी जारी है। एक ही खंभे पर एलटी और एचटी लाइनें चल रही हैं। मकानों की दीवारों से छूते हुए तार गुजर रहे हैं। नंगे तारों की चपेट में आकर महानगर कई हादसे भी हो चुके हैं। मगर विभाग की ओर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महानगर के चंद्रनगर में घरों के ऊपर से हाइटेशन लाइन निकल रही है। मंगलवार दोपहर हाइटेशन लाइन में चिंगारी निकलने के बाद एक घर में भीषण आग लग गई। नियमों की अनदेखी लोगों की जान पर भी भारी पड़ रही है। विद्युत विभाग में अलग-अलग श्रेणी की लाइनों के मानक निर्धारित हैं। मगर महानगर में इनका पालन नहीं हो रहा है। किसी भी भवन से एलटी लाइन की दूरी 1.20 मीटर और एचटी लाइन की समानांतर दूरी 2.50 मीटर निर्धारित है।सड़क को पार करने वाली ओवरहेड एलटी लाइन की जमीन से ऊंचाई 5.8 मीटर होनी चाहिए। सड़क किनारे 11 से 33 केवी की लाइन की ऊंचाई 5.8 मीटर निर्धारित की गई है। मगर महानगर में अधिकांश लाइनें या तो नीचे झूल रही हैं या मानक के अनुरूप नहीं हैं। विभाग हादसों के बाद भी नहीं चेत रहा है। अधीक्षण अभियंता मनीष चोपड़ा का कहना है कि लोगों को लाइन के नीचे खुद ही मकान नहीं बनाने चाहिए। विभाग की ओर से उन्हें रोकने का कोई नियम नहीं है। लाइन के नीचे मकान होगा तो हमेशा हादसे का खतरा बना रहेगा। इन स्थानों पर हालात खराब– बंगलागांव, चक्कर की मिलक, करूला, रहमतनगर, लाइनपार, जयंतीपुर समेत अन्य मोहल्लों में हालात बहुत खराब है। इन मोहल्लों में तारों का मकड़जाल है। एक ही पोल पर दो लाइनें हैं। जिससे कभी भी कोई हादसा होने की संभावना बनी रहती है। लाइनों के बीच दूरी और ऊंचाई के मानक– पहले से बनी लाइनों के नीचे किसी भी निर्माण पर प्रतिबंध। ओवरहेड या भूमिगत लाइनों के निर्माण के बाद आसपास किसी भी भवन, फ्लड बैंक, सड़क निर्माण के लिए नक्शा बनाकर विद्युत विभाग की अनुमति जरूरी। भवन से एलटी व एचटी लाइन 11केवी के समानांतर 1.20 और लंबवत दूरी 2.50 मीटर होनी चाहिए। भवन से 33केवी लाइन की समानांतर दूरी दो और लंबवत दूरी 3.70 मीटर होनी चाहिए। सड़क के आरपार ओवरहेड एलटी लाइन की जमीन से ऊंचाई 5.8 मीटर होनी चाहिए। सड़क के आरपार ओवरहेड 11 से 33केवी लाइन की जमीन से ऊंचाई 6.1 मीटर होनी चाहिए। सड़क किनारे एलटी लाइन की जमीन से ऊंचाई 5.5 मीटर होनी चाहिए। सड़क किनारे 11 से 33केवी एचटी लाइन की जमीन से ऊंचाई 5.8 मीटर।



संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक के दौरान आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा की

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद।जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में संचालित शराब की दुकानों का नियमित रूप से संबंधित आबकारी इंस्पेक्टर द्वारा निरीक्षण किया जाए। शराब की दुकान निर्धारित समय सीमा में ही संचालित होनी चाहिए साथ ही आबकारी नियमों के अनुरूप ही शराब की बिक्री की जाए। मानकों की किसी भी दशा में अनदेखी नहीं होनी चाहिए। अवैध शराब निर्माण और बिक्री के विरुद्ध भी अभियान में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी आबकारी इंस्पेक्टर अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाए रखें। नियमित रूप से औचक छापेमारी और अवैध शराब में लिस लोगों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस के साथ कार्रवाई सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम सिटी सहित समस्त आबकारी इंस्पेक्टर गण मौजूद रहे

करंट से झुलसे शिक्षामित्र को आधे घंटे तक मिट्टी में दबाया, अस्पताल में मौत.. परिजनों में कोहराम

मुरादाबाद-सोनकपुर इलाके में करंट की चपेट में आने शिक्षा मित्र की जान चली गई। परिजनों ने अंधविश्वास के चलते उन्हें आधे घंटे तक दबाए रखा। अ स् प त ा ल चिकित्सकों ने दि द य ा । अ ली न ग र शिक्षामित्र रविंद्र मंगलवार रात



गोबर और मिट्टी में इसके बाद पहुंचाया। जहां उन्हें मृत घोषित कर सोनकपुर क्षेत्र के नि व ा सी सिंह (48) छत पर जाते समय करंट की चपेट में आ गए। परिजनों ने अंधविश्वास के चलते शिक्षामित्र को आधे घंटे तक मिट्टी और गोबर में दबाए रखा। इसके बाद उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां बुधवार सुबह शिक्षामित्र की मौत हो गई। अलीनगर गांव निवासी शिक्षामित्र रविंद्र सिंह मंगलवार रात करीब आठ बजे गर्मी ज्यादा होने के चलते छत पर सोने जा रहे थे। शिक्षामित्र के घर में बने जीने पर लोहे की ग्रिल लगी हुई है। बिजली का तार ग्रिल से छूने के कारण ग्रिल में करंट आ गया।परिजनों के अनुसार, रविंद्र तीन सीढ़ी ही चढ़े थे कि उन्हें जोरदार करंट लगा और वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए। परिजनों ने अंधविश्वास के चलते आंधे घंटे तक शिक्षामित्र को गोबर और मिट्टी में दबाए रखा। हालांकि, तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ तो मिट्टी से निकालकर परिजन शिक्षामित्र को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां बुधवार तड़के उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर सोनकपुर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया। रविंद्र सिंह गांव के ही परिषदीय स्कूल में शिक्षामित्र थे। चार भाइयों में सबसे बड़े रविंद्र सिंह के परिवार में पत्नी मीनू के अलावा बेटा अल्पना (18) , अदिति (12) और बेटा महादेव (10) हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुरादाबाद के कटघर में स्कूल वैन में लगी भीषण आग, 15 बच्चों को सुरक्षित निकाला

मुरादाबाद-कटघर इलाके में निजी स्कूल वैन में अचानक आग भड़क उठी। चालक ने आनन-फानन वैन में सवार बच्चों को बाहर निकाला। इसके बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने वैन में लगी आग को बुझाया। मुरादाबाद जिले के कटघर में एक स्कूल वैन में आग लगने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन वैन में सवार 15 बच्चों को निकाला गया। दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, पंडित नगला रोड मुरादाबाद में दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल की वैन में गुरुवार सुबह आग लग गई। वैन बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। चालक ने गड़बड़ी देखकर वैन को रोड किनारे लगाया और उसमें सवार 15 बच्चों को उतार दिया। इस बीच वैन में आग लग गई।वैन में आग लगने की खबर से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।दिल्ली हाईवे पर उमरी सक्कीपुर गांव के पास व्यापारी की कार एक बाइक से टकराने के बाद आग का गोला बन गई। कार में सवार व्यापारी और उनके परिवार के सदस्यों ने कूटकर अपनी जान बचाई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवेंद्रनगर
से महेश कुमार बाल्मिक हुए
सेवानिवृत्त कि गई आत्मीय बिदाई

क्यों न लिखूँ सच - घनश्याम प्रसाद शर्मा

पत्रा - सीएससी देवेंद्रनगर के होन हर स्वीपर महेश कुमार बाल्मीक को मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अभिषेक जैन द्वारा सम्मान पत्र एवं शाल श्रीफल देकर किया सम्मानित डॉ जैन



के आदेशों का तत्काल प्रभाव से पालन भी किया गया है इन्होंने इस संस्था में 32 साल की सेवाएं दी हैं इन्होंने साफ सफाई के साथ-साथ पोस्टमार्टम केश भी बहुत अच्छे तरीके से किए हैं इनके द्वारा लगभग हजारों पोस्टमार्टम किए हैं यह पोस्टमार्टम करने के लिए इस संस्था में अकेले थे अतः इनका इस संस्था में बैड बाजा के साथ सम्मान के साथ बुलाया गया और उनका पूर्ण सम्मान करके डॉक्टर जैन ने अपनी गाड़ी से उनको घर ले जाकर के छोड़ और डॉ जैन द्वारा कहा गया की यह संस्था आपके कार्यो से हमेशा आभारी रहेगी एवं सम्मानित करते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य एवं सुख में स्वस्थ जीवन की प्रभु से कामना की गई इसी के साथ उनकी विदाई की गई इस संस्था में विदाई के समारोह स्वास्थ्य विभाग के समस्त कर्मचारी कमलेश प्रजापति, एमटीएस अमोल मानके, कौशल प्रसाद बागरी, संध्या सिंह, बीपीएम स्टाफ नर्स एवं सभी कर्मचारी उपस्थित रहे

युवक को जमीन में जिंदा दफनाया...फिर
कुछ घंटे बाद जो हुआ नहीं होगा यकीन;
कत्तों ने बचा ली जान

युवक की रस्सी से गला घांटकर हत्या का प्रयास किया गया। उसे मरा समझकर आरोपियों ने जमीन में दफना दिया। आधी रात को कुत्तों ने खून सूंघते हुए गड्ढे को खोद दिया। कुत्तों ने युवक को नौचाना



युवक की मां रामवती ने मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता की मां ने बताया कि 18 जुलाई को क्षेत्र में दो पक्षों में विवाद हुआ था। जिसमें 24 वर्षीय बेटे रूपकिशोर ने एक युवक से गाली देने का विरोध किया था। इसी बात पर आरोपी रंजिश मान बैठे थे। उसने बताया कि 18 जुलाई की रात को ही अंकित, गौरव, करन और आकाश घर आए और बेटे को साथ ले गए। गांव के बाहर खेतों की ओर ले जाकर बुरी तरह पीटा। रस्सी गले में डालकर बेटे का गला घोट दिया। उसे मरा हुआ समझकर जमीन में गड्ढा खोद कर गाढ़ दिया। कुत्तों ने खून सूंघ कर गड्ढा खोद दिया। वो बेहोश था, लेकिन कुत्तों ने जैसे ही उसे नौचना शुरू किया तो उसे होश आ गया। वो वहां से भागा और आसपास के लोगों से मदद लेकर घरवालों से संपर्क किया। इसके बाद बेटे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यों न लिखूँ सच
 की आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
 उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
 ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
 आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
 ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

39 साल बाद मिला इंसाफ: एसओ की हत्या में नौ आरोपियों को उम्रकैद, छह की हो चुकी है मौत; पढ़ें- हैरतअंगेज मामला

जैनपुर के जिला जज में 1985 से यह वाद चल रहा था। मामला सुरेरी थानाध्यक्ष अमरनाथ भारती की हत्या का था। आरोपियों को 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड की भी सजा सुनाई गई है। जैनपुर के जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने 39 साल पहले सुरेरी में थानाध्यक्ष की हत्या के मामले में नौ आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसमें थानाध्यक्ष को पकड़ने वाले आरोपी की भी मौत हो गई थी। कोर्ट ने दोषी मानिकचंद समेत नौ आरोपियों को हत्या व अन्य धाराओं में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास व प्रत्येक को 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। दी के अनुसार 18 दिसंबर 1985 को उप निरीक्षक बब्बन सिंह ने सुरेरी थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी कि 18 दिसंबर 1985 को सुरेरी थानाध्यक्ष अमरनाथ भारती के साथ उप निरीक्षक बब्बन सिंह व अन्य पुलिसकर्मी विवेचना के लिए रवाना होकर 6-45 बजे सुबह ग्राम सुरेरी पूरवा मोड़क पहुंचे तो मुकदमें से संबंधित जमीन पर पुनः आरोपियों द्वारा कब्जा किया जाना पाया गया। पुलिस वाले सुबह 7-30 बजे धनवस्तेपुर में बलिराम के घर पहुंची। उसे गिरफ्तार किया। उसे लेकर थाने की तरफ लेकर चली। सुबह करीब 7-45 बजे सुखनंदन के खेत के पास आरोपित मानिकचंद, जयप्रकाश, ओमप्रकाश, उत्तम, श्री राम, मोहन, नबीउल्ला, रजज्ज, जल्ला व अन्य आरोपित कट्टा, बल्लम, लाठी-डंडा, ईट-पत्थर लेकर पुलिस पार्टी को घेर लिए और बलिराम को छुड़ाने लगे। पुलिस पार्टी पर हमला कर दिए। सोभनाथ ने बल्लम से अमरनाथ भारती को मारा तब बलिराम ने उनके सीने पर चढ़कर ईट से मारा जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सभी पुलिस वालों को आरोपी घेरकर ईट-पत्थर व कट्टे से फायर कर मारने लगे, जिससे उप निरीक्षक बब्बन सिंह, कांस्टेबल झुल्लन प्रसाद व कांस्टेबल हरकेश गुप्ता को चोटें आईं। साक्ष्य के अभाव में कई दोषमुक्त- अभियोजन के अनुसार अमरनाथ भारती को सुखनंदन ने पकड़ा था। जयप्रकाश ने कट्टे से अमरनाथ पर फायर किया तो वह झुक गए। गोली सुखनंदन को लगी। उसकी भी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने विवेचना कर 26 आरोपी के खिलाफ सख्त डायरी कोर्ट में प्रेषित किया। आरोपित सुखउ, भूखंदर व हीरालाल की मृत्यु के बाद 23 आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में कोर्ट में आरोप तय हुआ। कोर्ट में 10 गवाहों के बयान जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश पांडेय व राजनाथ चौहान ने दर्ज कराए। दौरान मुकदमा आरोपित बलिराम, चानिका, पुड्डू, अमरनाथ, सोभनाथ व लालमनि की मृत्यु हो गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आरोपित मानिकचंद, जयप्रकाश, ओमप्रकाश, उत्तम, श्रीराम, मोहन, नबी उल्ला, रज्जब व जल्ला को हत्या व अन्य धाराओं में दोषी पाते हुए दंडित किया। कोर्ट ने प्रेमचंद, मोती, राजकुमार, पट्टे, लालचंद, लालजी, पंचम व सुरेंद्र शेष आरोपितों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

अपना प्रदेश

प्रियंका से ओलंपिक में पदक की
आस, दो इवेंट में आज लेंगी हिस्सा,
लड्डू गोपाल को लेकर गई हैं साथ

प्रियंका गोस्वामी का रस वॉकिंग का सफर जिला-स्तरीय दौड़ से शुरू हुआ था। पहले वह जिम्नास्टिक करती थी, फिर क्रिकेट में दिलचस्पी जागी लेकिन पैदल चाल में आगे निकलीं तो शानदार प्रदर्शन के बते पेरिस ओलंपिक तक का सफर तय कर लिया मेरठ के माधवपरम निवासी प्रियंका गोस्वामी



साथ होंगे। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में 10 हजार मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता। वह 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत के साथ पैदल चाल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने 14 फरवरी 2023 को रांची में इंडियन ओपन नेशनल रेस वॉकिंग प्रतियोगिता में यह मुकाम हासिल करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। टोक्यो ओलंपिक में वह 17वें स्थान पर रहीं थीं। अब पेरिस ओलंपिक में भारतवासियों को उनसे पदक की उम्मीद है। वह 1 अगस्त को 20 किमी पैदल चाल इवेंट में हिस्सा लेंगी। प्रियंका गोस्वामी का रेस वॉकिंग का सफर जिला-स्तरीय दौड़ से शुरू हुआ था। पहले वह जिम्नास्टिक करती थी, लेकिन एक बैग का उपहार पाने के लिए उन्होंने दौड़ना शुरू किया। वर्ष 2011 में उन्होंने जिला स्तरीय दौड़ में भाग लिया और उपहार जीता। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। किसी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक तक का सफर तय करना आसान बात नहीं है। पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाली प्रियंका गोस्वामी का जीवन भी कठिनाइयों से भरा रहा है। रोडवेज ने प्रियंका के पिता परिचालक मदनपाल गोस्वामी की नौकरी छीन ली थी। प्रियंका ने पिता की नौकरी जाने के बाद कमजोर आर्थिक स्थिति और अन्य मुश्किलों का सामना करना ओलंपिक तक का सफर तय किया है। उपलब्धियाँ और उपाधियाँ- राष्ट्रीय फाइनल 2017, 2021 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 1=28.45 (2021) पदक रिकार्ड राष्ट्रमंडल खेल - रजत पदक - दूसरा स्थान 2022 बर्मिंघम 10,000 मीटर पैदल चलना एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप- रजत पदक - दूसरा स्थान स्थान 2023 बैंकॉक 20000 मीटर पैदल यात्रा

गुदड़ी बाजार तिहरा हत्याकांड: सभी आरोपी दोषी करार, घूंघट में आई शीबा, कड़ी सुरक्षा में कोर्ट लाया गया इजलाल

मेरठ के चर्चित गुदड़ी बाजार हत्याकांड में फैसले को लेकर हर किसी की निगाहें दिन भर टिकी रही

अदालत ने युवती शीबा समेत सभी आरोपियों को दोषी करार दिया है। सजा पर पांच अगस्त को सुनवाई होगी। मृतक तीन बेटों की रूह को आज सुकून मिला तो वहीं पीड़ित परिजनों को इंसाफ की आस जागी है। आज सभी आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया। इस दौरान आरोपी युवती घूंघट में कोर्ट पहुंची। ये घटना 23 मई 2008 की है। आज से 16 साल पहले तीन दोस्तों को दोस्ती का वास्ता देकर बुलाया और बड़ी ही बेरहमी से तीनों को बारी-बारी से क्रूरता से मौत के घाट उतार दिया। इस



वारदात का जब खुलासा हुआ तो शहर में आक्रोश फैल गया था। शहर में हर तरफ आक्रोश था। जांच में सामने आया कि हत्या की वजह एक युवती की मौजूदगी थी, जिसकी वजह से इजलाल ने तीन दोस्तों की जिंदगी को मौत की भेंट चढ़ा दिया। 123 मई, 2008 को बागपत के बालैनी गांव के जंगल में हिंडन नदी के किनारे दिन के पौने बारह बजे एक कार में तीन युवकों की लाश मिली। इनकी पहचान मेरठ कॉलेज के छात्र सुनील ढाका निवासी जागृति विहार, पुनीत गिरि निवासी परीक्षितगढ़ रोड और सुधीर उज्जवल निवासी सिरसली बागपत के रूप में हुई। तीनों युवकों की लाश देखकर जनाक्रोश फैल गया था। मामले की गूंज लखनऊ तक पहुंच चुकी थी। 124 मई को सनसनीखेज खुलासा हुआ कि इन तीन युवकों की हत्या कोतवाली मेरठ के गुदड़ी बाजार में हाजी इजलाल के घर पर हुई थी। पुलिस के अनुसार हाजी इजलाल ने एक युवती के चक्कर में हुए विवाद के चलते अपने साथियों के साथ इस तिहरे हत्याकांड को बड़ी नृशंसा के साथ अंजाम दिया था। मामला दो समुदाय से जुड़ा होने पर शहर में आक्रोश के साथ माहौल तनावपूर्ण हो गया था। हत्याकांड के विरोध में शहर के बाजार बंद रहे। पुलिस ने हाजी इजलाल व उसके चारों भाइयों को जेल भेजा था हाजी इजलाल के घर में जिस जगह पर इस वारदात को अंजाम दिया गया, वहां सड़क से लेकर चबूतरों तक खून ही खून फैला था। पुलिस मौके पर पहुंचती इससे पहले ही खून साफ कर दिया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी इजलाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कई माह तक कोतवाली के गुदड़ी बाजार से लेकर शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस अलर्ट रही थी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ
शुभकामना सन्देश (Birthday,
anniversary, any kind of
message) कम कीमत में विज्ञापन
छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

देवर की नीयत में खोट:
विधवा भाभी से शादी करना
नहीं कुछ और था इरादा, ऐसे
थे मंसूबे...टूट गए सभी सपने

विधवा भाभी की जीवन में पुनर्विववाह भी खुशियों के रंग नहीं भर सका। देवर ने शादी तो कर ली, लेकिन कुछ दिन बाद ही उसकी खुशियों को नजर लग गई। जो ससुराल वाले अभी तक प्यार लुटाते थे, वो दूसरी शादी होने के बाद देहेज के लिए उसे प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं अब उसे घर से भी बाहर निकाल दिया। एटा के थाना पिलुआ क्षेत्र में एक विधवा ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि पति की मौत के बाद देवर से उसकी शादी करा दी गई। इसके बाद ससुराल वालों ने उसे देहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं उसे पति ने अन्न घर से बाहर निकाल दिया है। पिलुआ थाना क्षेत्र के गांव भदवास की रहने वाली सीता ने बताया कि गोपाल निवासी चिरायल मऊ थाना सिकंदराराज जनपद हाथरस के साथ हुई थी। 22 अप्रैल 2024 को पति की बीमारी से मौत हो गई। ससुराल वालों ने देवर विजेंद्र के साथ पुनर्विववाह कर दिया। करीब 20 दिन बाद ससुर गेंदालाल, सास गुड्डी देवी, जेठ सहेबदेव कहने लगे कि हम लोगों ने गलती कर दी। विजेंद्र की शादी कहीं दूसरी जगह से करेंगे जहां से अच्छा दान देहेज मिलेगा। मेरे साथ मारपीट, गालीगलौज की और देहेज मांगने लगे। बताया कि 27 जून को पिता के गांव के बाहर छोड़ गए। पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज न किए जाने पर अदालत की शरण ली। जहां से आदेश जारी होने पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सीओ सदर अमित कुमार राय ने बताया कि पारिवारिक मामला है। न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

बुरी आत्मा का खौफ... तांत्रिक के पास
आई चचेरी बहनें, रात को तंत्र-मंत्र
का हुआ धिनौना खेल; हुआ ये हाल

अंधविश्वास के चक्कर में दिल्ली की दो बहनें ऐसी फांसी, कि खुद की आबरू भी गवां बैठें। दोनों के मन में बहम था कि बुरी आत्मा का उन पर साया है। इसीलिए दोनों वृंदावन में तांत्रिक के



आत्मा के साथे को लेकर बहम में थीं। किसी के कहने पर वे तांत्रिक के पास आई थीं। तांत्रिक ने भी भरोसा दिलाया, कि उन पर बुरी आत्मा का साथ्या है। वो इन आत्माओं से उन दोनों को मुक्त दिलाएगा। परिजनों का आरोप है कि पीड़ित युवतियाँ 18 जून को सैनी मोहल्ला बस अड्डा निवासी तांत्रिक नंदलाल से गोवर्धन में मिलीं। आरोप है कि तांत्रिक ने इलाज के नाम पर उनसे 20 हजार रुपये ले लिए और 20 जुलाई को आने को कहा। परिजनों के अनुसार 20 जुलाई को ये युवतियाँ गोवर्धन पहुंची। आरोप है कि तांत्रिक ने दोनों बहनों को अलग-अलग कमरों में ले जाकर दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर तंत्र विद्या से पूरे परिवार को खतम करने की धमकी दी। पीड़ित युवतियों ने कुछ दिन बाद परिजनों को अपने साथ हुई घटना के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने थाना गोवर्धन में शिकायती पत्र दिया, जिसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया।

दो छात्राओं ने ट्रेन के आगे
कूदकर दी जान, जांच-
पड़ताल में जूटी पुलिस

कयूँ न लिखूँ सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ में महुआ खेड़ा क्षेत्र के न्यू दाऊद खां स्टेशन के पास देर शाम दो युवतियों ने ट्रेन के आगे कूतकर जान दे दी। दोनों में से एक बीएससी व दूसरी लॉ की छात्रा हैं कोछेड़ निवासी सुल्तान सिंह कुशवाहा बेटी तनु व गांधी पार्क के नगला माली तनु छात्रा थीं

दोनों सहेलियां वताई जा रही है एसपी सिटी ने बताया कि दोनों के बीच समलैंगिक रिश्ते की बात भी सामने आ रही है खबर पर पट्टुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजे। शिनाख्त के बाद परिजन भी बुलाए गए। अभी जांच पड़ताल जारी है।

वाहरे अलीगढ़ नगर निगम: स्कूटी-बाइक से ही उठवा डाली थी सिल्ट, ऑडिट रिपोर्ट से हुआ यह खुलासा

विधानसभा में पेश की गई स्थानीय निधि लेखा परीक्षा की रिपोर्ट के अनुसार अलीगढ़ नगर निगम प्रशासन ने सिल्ट उठान के लिए जो ट्रैक्टर लगाए थे जब उनके नंबरों की जांच की गई तो वह सभी नंबर स्कूटी और बाइक के निकले। अलीगढ़ नगर सफाई के दौरान निकले वाली सिल्ट को 6 स्कूटी लगाकर। यह हम नहीं कह रहे बल्कि निधि लेखा परीक्षा की रिपोर्ट बता रही है। उठान के लिए जो ट्रैक्टर लगाए थे जब उनके बाइक के निकले। दरअसल वित्तीय वर्ष नगर निगम में ही 50 करोड़ की अनियमितता बाद सिल्ट उठान के नाम पर हुआ है। सिल्ट नगर निगम ने सिल्ट उठान में लगाए गए ऑडिट टीम ने जब सत्यापन किया तो पता चकर लगाए। मगर जब ट्रैक्टरों के नंबरों स्कूटी के निकले। जिनमें एक नंबर यूपी 3892, यूपी 81 बी-3468, यूपी 81 डीवाई-वाहनों को 1.94 लाख रुपये का भुगतान आपत्ति का जवाब नहीं है। यहां तो ई रिक्शा एट्रजेड आदि के वाहनों को कुल 19 करोड़ लाख रुपये का डीजल भुगतान ई रिक्शा सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ई रिक्शा को डीजल से कैसे दौड़ा दिया गया। ऑडिट रिपोर्ट में जो भी आपत्तियां थीं, उनका पूर्व में जवाब दिया गया। अब विधानसभा स्तर पर जो आपत्तियां पहुंची हैं, मांगे जाने पर उनका भी जवाब दिया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों को निर्देशित कर दिया गया है। -अमित आसेरी, नगर आयुक्त



निगम के अफसरों ने कमाल ही कर डाला है। नाला स्कूटी और बाइक से उठवा दिया। वह एक दो नहीं पूरी 29 जुलाई को विधानसभा में पेश की गई स्थानीय इस रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम प्रशासन ने सिल्ट नंबरों की जांच की गई तो वह सभी नंबर स्कूटी और 20-21 की जो ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई उसमें अलीगढ़ सामने आई है। इसमें सबसे बड़ा खेल नाला सफाई के उठान में 14 ट्रैक्टर-ट्राली लगाने की बात की गई है। ट्रैक्टरों की रिपोर्ट उनके नंबरों के साथ पेश की थी। चला कि 14 ट्रैक्टरों ने सिल्ट उठान के लिए 5782 की जांच हुई तो 6 ट्रैक्टरों के जो नंबर बताए गए थे वह 81-5906 है, दूसरा यूपी 13 ए-5797, यूपी 81 ई-2544 व एक नंबर बाइक का है। नगर निगम ने इन भी किया है। अगर निगम प्रशासन के पास इन ऑडिट भी डीजल से दौड़ा दी गई- इन दो वर्ष में कूड़ा उठान व रुपये के डीजल का भुगतान किया गया। जिसमें 1.50 यानि बैटरी चलित रिक्शों में दिखा दिया गया है। अब

पति के आत्महत्या करने के 24 घंटे बाद पत्नी की सांप के डसने से मौत, एक साथ होगा अंतिम संस्कार

थाना श्रीनगर के बिलखी गांव में पति की मौत के बाद पत्नी की सर्पदंश से जान चली गई। दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ होगा। महेबा जिले में थाना श्रीनगर के बिलखी गांव में पति के



आत्महत्या करने के 24 घंटे बाद पत्नी की भी सांप के डसने से मौत हो गई। बहू-बेटे की मौत से सदमे में आई मां अचेत हो गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। गुरुवार की शाम एक

साथ दो अर्थियां उठने से हर किसी की आंखें नम हो गईं। बिलखी निवासी देशराज अहिरवार की शादी दो माह पहले दुर्गा (21) के साथ हुई थी। 30 जुलाई की रात देशराज ने मकान के कमरे में फंदे लगाकर जान दे दी थी। पिता धनीराम ने मूंगफली की फसल खराब होने से पेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होना था। बुधवार रात मृतक की पत्नी दुर्गा घर पर थी। तभी उसे किसी सांप ने डस लिया। हालात बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 124 घंटे के अंदर बेटे के बाद बहू की मौत से माता-पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां बेटीबाई दहाड़े मारकर रोते हुए कई बार अचेत हो गईं। तब परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र श्रीनगर ले गए। जहां इलाज चल रहा है। दोपहर बाद पति-पत्नी के शवों का पोस्टमार्टम होने के बाद शव गांव पहुंचे तो चारों ओर मातम छा गया। एक साथ दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी बोले - 20 लाख युवाओं का कौशल विकास कर देंगे रोजगार

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं का कौशल विकास कर रोजगार दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने लखनऊ आगमन पर कहा कि युवाओं की विकसित भारत में महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र युवाओं का ख्याल रख रही है।



इंटरशिप और अप्रेंटिशिप से

महिला के साथ युवक ने की अश्लील हरकत, थाना पुलिस पर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर
अलीगढ़ के थाना मडराक इलाके में महिला शौच के लिए गई थी। पीड़ित महिला का कहना है कि उसी समय पीछे से गांव के आरोपी युवक ने उसका हाथ पकड़ लिया। उसने अश्लील हरकत की। किसी तरह पीड़ित महिला ने सोनू से अपना हाथ छुड़ाकर घर पहुंची। पीड़ित महिला ने अपने साथ हुई पूरी घटना अपने पति सास व ससुर को बताई। जिसके बाद पति व ससुर पीड़ित को साथ लेकर थाने पहुंचे। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया। पीड़िता का आरोप है कि थाना पुलिस ने साठ गांठ कर आरोपी के खिलाफ शांति भंग में चालान कर कार्रवाई की। पीड़ित ने अपने परिजनों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचकर एसएसपी को पूरी घटना बताई और न्याय की मांग करते हुए आरोपी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की मांग की है।

युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम 1000 आईटीआई के माध्यम से 20 लाख युवाओं का कौशल विकास कर रोजगार देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके आशीर्वाद के कारण ही केंद्र में तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। आपके सुझाव और फीडबैक पर काम होगा। जयंत ने कार्यकर्ताओं से संगठन को गति देने और बूथ स्तर पर काम करने के लिए कहा। काफी भीड़ और अव्यवस्था होने के कारण जयंत पांच मिनट में पार्टी कार्यालय से लौट गए। ऐसे में जो कार्यकर्ता स्वागत के लिए फूल और गुलदस्ते लेकर आए थे वो निराश हो गए।

आंबेडकर पार्क पर कब्जे का प्रयास, ग्रामीणों ने रोका तो दबंग ने निकाली तलवार; वीडियो हुआ वायरल

जलेसर में आंबेडकर पार्क पर दबंग कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आज विरोध किया, तो दबंग ने तलवार निकाल ली। इतना ही नहीं उसके साथी लाठी-डंडे लेकर आ गए। एटा के जलेसर कोतवाली क्षेत्र के गांव अरबगढ़ में आंबेडकर पार्क की जमीन को गांव के दबंगों ने कब्जे का प्रयास किया। ट्रैक्टर से पार्क में जुताई की जा रही थी। ग्रामीणों ने विरोध करते हुए रोका तो आरोपी



तलवार और लाठी-डंडे लेकर आ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद मामला शांत हो सका। वहीं तलवार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गांव अरबगढ़ में विजय कुमार पुत्र विजयपाल और शमशेर सिंह उर्फ चंचल पुत्र विजय कुमार द्वारा आंबेडकर पार्क की जमीन पर ट्रैक्टर से जोतने का प्रयास किया जा रहा था। ग्रामीणों ने जमीन पर कब्जा

व जोतने से मना किया तो विजय और शमशेर, विश्वजीत पुत्र सतीश चन्द्र, देव गौतम पुत्र ग्रीश चन्द्र, सतीश चन्द्र विजयपाल, अर्जुन सिंह पुत्र सत्यप्रकाश, उदयप्रकाश पुत्र सत्यप्रकाश तथा राजवीर पुत्र वेदराम एकत्र होकर अपने घरों से तलवार आदि निकालकर ले आए। इस दौरान ग्रामीणों के साथ मारपीट कर दी गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आंबेडकर पार्क की जमीन पर कब्जा रुकवाया। वहीं कोतवाली में गांव के सोवरन सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने विजयकुमार, विश्वजीम, सतीश, देव गौतम आदि के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। वहीं दूसरी ओर घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग अपने हाथों में तलवार लहराते हुए नजर आ रहे हैं। कोतवाली प्रभारी डॉ. सुधीर राघव ने बताया कि गांव के सोवरन सिंह की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नियम विरुद्ध संचालित है कंपोजिट अंग्रेजी एवं देशी शराब दुकान सुंदरामें

क्यूँ न लिखूँ सच -घनश्याम प्रसाद शर्मा
पन्ना - देवेंद्र नगर - देवेंद्र नगर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सुंदरा मोड़ पर नेशनल हाइवे में कंपोजिट अंग्रेजी एवं देशी शराब दुकान संचालित है जो की सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार स्थापित नहीं है आप को बता दें कि वही चंद कदम पर ही साशकीय हाई स्कूल संचालित है विद्यालय के समीप शराब दुकान होने से वहां अध्ययन रत छात्र छात्राये भी भयभीत रहते हैं शराब दुकान विद्यालय के समीप होने से छात्र छात्राओं सहित अध्यापक अध्यापिकाओं को भी अशुविधा होती है ग्राम वाशियो एवं विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा समाचार पत्र के माध्यम सेजिले के आबकारी अधिकारी एवं कलेक्टर महोदय से अपील है कि जल्द ही इस दुकान को शिफ्ट करा ने की कृपा करे एवं सराब दुकान ठेकेदार द्वारा बिना सुप्रीमकोर्ट की गाइडलाइन का पालन किये दुकान संचालित किए जाने पर उचित कार्यवाही किये जाने की कृपा करें



दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knslive@gmail.com

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, ऋय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्ति 09 पुलिसकर्मियों को पूरे सम्मान के साथ भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता
शामली।- शामली पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम द्वारा पुलिस लाइन शामली में पुलिस से सेवानिवृत्त की आयु पूरी करने के बाद सेवानिवृत्ति 09 पुलिसकर्मियों को पूरे सम्मान के साथ भावभीनी विदाई दी तथा सेवानिवृत्त



पुलिसकर्मियों को सम्बोधित करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के नाम हैं। निरीक्षक संजीव कुमार 30नि0 होशियार सिंह 30नि0 सत्यप्रकाश शर्मा 30नि0 रामरतन सिंह 30नि0 मूलचन्द्र त्यागी 30नि0 सत्यपाल सिंह 30नि0 अनिल कुमार मु0आ0 दूवेन्द्र सिंह मु0आ0 रुस्तम हिन्द।

अल्ट्रासाउंड कराने जा रहीं सास-बहू में बाइक ने मारी टक्कर, दोनों की हुई मौत, युवक भी घायल

अलीगढ़ -सास अपनी आठ माह की गर्भवती बहू का खैर में अल्ट्रासाउंड कराने ले जा रही थी। जैसे ही सास-बहू अलीगढ़-पलवल मार्ग को पार कर रहीं थी, तभी एक युवक बाइक पर सवार होकर तेज रफ्तार में आ रहा था। बाइक सवार युवक ने सास-बहू में टक्कर मार दी। सास अपनी गर्भवती बहू का



अल्ट्रासाउंड कराने के लिए जा रही थी। दोनों अलीगढ़-पलवल मार्ग को पार कर रहे थे कि तभी एक बाइक सवार युवक ने उनमें टक्कर मार दी। जिससे सास और बहू की मौत हो गई। टक्कर मारने वाला युवक भी गंभीर घायल हुआ है। खैर थाना अंतर्गत सुजानपुर गांव से सास अपनी आठ माह की गर्भवती बहू का खैर में अल्ट्रासाउंड कराने ले जा रही थी। जैसे ही सास-बहू अलीगढ़-पलवल मार्ग को पार कर रहीं थी, तभी एक युवक बाइक पर सवार होकर तेज रफ्तार में आ रहा था। बाइक सवार युवक ने सास-बहू में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गर्भवती बहू और उसकी सास की मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवार में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाइक सवार युवक भी टक्कर में गंभीर घायल हो गया। गंभीर घायल युवक को सीएचसी खैर के डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आगरा में 200 करोड़ रुपये का हुआ व्यापार, व्यापारियों ने गारमेट हब बनाने की मांग की

आगरा में 200 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ है। इस पर व्यापारियों ने ताजनगरी को गारमेट हब बनाने की मांग की है। मेले में 500 से अधिक विजिटर शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के आगरा में हरीपर्वत स्थित होटल में तीन दिन चले आगरा रेडीमेड गारमेट एसोसिएशन के ऑटम विंटर फेयर में करीब 200 करोड़ रुपये के कपड़ों की बुकिंग हुई है। इस बार नए उद्यमी भी जुड़े हैं। अंतिम दिन व्यापारियों ने सरकार से आगरा में गारमेट हब बनाने की मांग की है। इसके लिए जल्द मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल भी मिलेगा। महामंत्री गौरव जैन ने बताया कि बीते साल करीब 150 करोड़ के मुकाबले इस पर व्यापार आंकड़ा 200 करोड़ तक पहुंचा है। इस बार 80-100 नए उद्यमी भी जुड़े हैं। शेरवानी, स्वेटर, कुर्ती, सूती-खादी के कपड़े, जींस, ब्लेजर, कुर्ती समेत अन्य की अधिक बुकिंग हुई है। अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया कि शहर में गारमेट हब की जरूरत है। इसमें व्यापारियों को 500-500 वर्ग गज के प्लॉट भी एलॉट कराए जाएं। इससे कपड़ा उद्यम को दम मिलेगी। कोषाध्यक्ष शैलेश खंडेलवाल ने बताया कि मेले में 500 से अधिक विजिटर शामिल हुए। सभी को प्रमाण पत्र भी दिए। कार्यक्रम में ऋषभ गुप्ता, सौरभ जैन, कमल जैन, अमित अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, हेमंत लोहिया, राकेश अग्रवाल, संजय जैन, धीरज जैन, अमित जैन आदि मौजूद रहे।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखण्ड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करें-9027776991

Pilibhit's flute is famous in the country and abroad, the bamboo comes from **Assam** and the method of making it is very special

The image of Lord Krishna comes to mind first in the name of flute. Flute is one of the oldest musical instruments in the world. The notes coming out of the flute made of bamboo not only



entertains but also relaxes the mind. This special musical instrument is made in Pilibhit and it is famous not only in the country but also abroad. Pilibhit city of Uttar Pradesh is famous all over the world for flute. Knotless bamboo comes from Assam to make flute. More than one artisan is involved in making one flute. Pilibhit, rich in natural resources, is famous for tigers, but this place is also known all over the world as the flute city. The flute from here adorns the lips of famous flute players. Despite so many musical instruments in the modern era, the demand for flute has not decreased and what is even more special is that Pilibhit is still doing the work of making it reach the world, but do you know that flute is made from a special kind of bamboo, which does not grow in Pilibhit, so where does this bamboo come from and how is the flute prepared, let's know. Many varieties of flutes are available here - 90 percent of the country's flutes are prepared in Pilibhit itself. Pilibhit has made its mark in the country and abroad for the best handmade flutes. From straight blown flute to side blown flute, every kind of flute is manufactured here. Bamboo for making flute comes from Assam - Pilibhit is the most forested area of Bareilly division, but you will be surprised to know that bamboo does not grow in these forests. The flute is made from knotless bamboo and this bamboo grows in Silchar city of Assam and from here it reaches Pilibhit. This is how the flute is made- It takes not one but many artisans to make a flute. First of all, large pieces of bamboo are cut according to the size of the flute. After cutting, the process of peeling takes place. Then to fill the tune in these bamboo pieces, bars are heated and holes are made in them. After this, the upper part of the flute is decorated by putting dots. Then the flute is ready. Price of flute- You will get flutes from 20 rupees to 15,000. If you buy a lot at once, the price goes down, while on special orders the prices also increase.

Most fights happen in **relationships** due to the habit of reacting to everything, **proving ego**.

When two people come together after marriage, they have to make many adjustments. Some adjustments are easy but for some we are not able to prepare ourselves, which becomes the



reason for fights. Due to which a situation of separation arises. However, with the help of some tips, you can prevent these fights to a great extent. Most fights happen between couples after marriage. Many times these fights can become the reason for separation. Ways to avoid fights in relationships. After marriage, there are arguments between couples about many things. Many times these small arguments turn into big fights. Due to which the conversation stops for days, although it is largely in your hands to not create such a situation. By showing a little understanding, you can to a great extent stop the fights that happen every day in your new relationship. Ways to stop fights in a relationship- 1. It starts with reactions. It means that it is most important to understand what to react to and what to ignore. If your partner is saying something to you, then listen to him, but react after understanding. If there is a fight over food habits, hygiene and it is your mistake, then avoid meaningless argument because it will add fuel to the fire. There is no harm in accepting your mistake. 3. If your partner has come from outside and is angry over something that does not make any sense, then do not start shouting at him. Sometimes this is also seen due to external stress and anger. It is better to listen to him at that time. Yes, you can talk to your partner about this later. Do not bring ego into the fight because it worsens the situation a lot and most of the fights happen due to not compromising with the ego. It is important to maintain self-respect, but trying to win meaningless arguments with ego only causes harm. 5. If your partner is younger than you, then obviously his maturity level will also be less than yours. In such a situation, do not forcefully fight over things which can be fixed by explaining them to him.

A cup of hot tea can make you a **victim of diseases**, replace morning tea with these healthy alternatives

Tea is the favorite drink of many people. This is the reason why people do not refrain from drinking it at any time. Especially as soon as they wake up in the morning, many people have a habit of drinking tea without which their day does not start. However, tea on an empty stomach in the morning can be the cause of many problems. In such a situation, it can be replaced with these healthy alternatives. Many people like to drink milk as soon as they wake up in the morning. However, drinking tea as soon as you wake up in the morning is harmful for health. In such a situation, you can replace morning tea with some healthy alternatives. Starting the morning with a cup of hot tea is the routine of many people. Tea is not just a drink, but an emotion. This is the reason why there is no fixed time for drinking tea here. Tea



lovers are ready to drink it at all times. Especially in the morning, many people start their day with tea, but drinking milk tea on an empty stomach as soon as you wake up in the morning can be harmful for health. Drinking milk tea on an empty stomach in the morning can cause problems like constipation, bloating, insomnia. In such a situation, for a healthy start to the day, you can adopt some healthy alternatives instead of tea, which will also prove to be healthy for you. Let's know with which healthy drinks to start the day instead of tea- Lemon water- Lemon water, also commonly known as lemonade, is a great drink to start the morning. Drinking it on an empty stomach in the morning helps in improving metabolism and improving immunity. However, apart from morning, you can drink lemon water anytime during the day. Aloe Vera Juice- A storehouse of qualities, aloe vera is beneficial for us in many ways. Along with providing relief from skin problems, it also provides many health benefits. Drinking aloe vera juice on an empty stomach in the morning not only makes your skin soft and glowing, but it also helps fight infections by boosting metabolism. Carrot-beetroot juice- Carrot-beetroot juice, rich in vitamins A, C and E, is also a great option to replace morning tea. It is rich in iron and calcium, which helps boost immunity and reduces inflammation in the body. Drinking it on an empty stomach in the morning keeps you energized throughout the day. Green tea- People usually use green tea for weight loss, but it also provides other health benefits. Rich in bioactive compounds, antioxidants and polyphenols, green tea helps reduce cell damage in the body. Also, due to low caffeine content, it is helpful in increasing focus. Coconut water- Coconut water is a great option to replace morning tea. The low sugar and essential electrolytes present in it make coconut water healthier than tea or coffee. It has many amazing health benefits and is also a great hangover cure.

Who is rapper Naezy, whose poverty was mocked by Munawar Faruqui? Now he is very close to the trophy Auron Mein Kahan Dum Tha is just a few days away from release, advance booking of the film has started

Rapper Naezy is seen in Bigg Boss OTT 3. At present, he is one of the main contenders for victory who has made his place in the top 5. Munawar Faruqui was recently seen making fun of Naezy's poverty during the roasting session. Naezy felt very bad about this statement of the



comedian and he said that no one was spared. Ranveer Singh played his character in 'Gully Boy' Rapper Naezy is a resident of Kurla, Mumbai - seen in Bigg Boss OTT 3The grand finale of Bigg Boss OTT 3 is going to be held on August 2. After the double elimination of Lovekesh Kataria and Armaan Malik, a total of 5 contestants are left in the show. Currently, Sana Maqbool, Sai Ketan Rao, Kritika Malik, Ranveer Shorey and Naezy are in the show. Meanwhile, Bigg Boss 17 winner Munawar Farooqui and stand-up comedian Aditi Mittal came to roast the contestants on the show. Meanwhile, Munawar Farooqui was seen making fun of Naji's financial condition. Taking a dig at Naji, the comedian said, this time the ration came less, right? I think Bigg Boss kept the ration and food less this season so that Naji could feel his home. Let's know who Naji is. Where does Naji live - Naji was born on 10 August 1993 in Kurla, Mumbai. His father's name is Shahid Raza and mother's name is Farheen Raza. Naji's real name is Naved Sheikh and he comes from a middle class family. Naved is a rapper by profession and fans affectionately call him Naji. When Naji decided to become a rapper, his family did not like this thing. However, the rapper kept moving forward by fighting everyone. He started rapping at the age of 13. But he was not getting success. Naezy was fond of songs from the beginning and he grew up listening to Sean Paul's songs. After this, in the year 2014, he entered the world of hip hop with the music video 'Aafat'. This video broke all records on the internet. So far it has received 12 million views. His friend Divine was also seen in this song. Rapped in these films - Gradually people started recognizing his work. He came into the limelight for the first time after rapping 'Meri Gali Mein' in Zoya Akhtar's film Gully Boy. The film 'Gully Boy' was based on Divine and Naezy. Ranveer Singh played the role of Naezy in this film. Apart from this, in the year 2015, Naezy lent his voice to the song Birju of the film Hey Bro. Amitabh Bachchan, Akshay Kumar, Hrithik Roshan and Ranveer Singh, Prabhu Deva and Ganesh Acharya were seen in this video. Naezy has a strong fan following on Instagram. He has more than 10 lakh followers on social media.

There is neither yearning nor pain in this life, the story of the Corona period wavered in writing

Chalti Rahe Zindagi has been released on Zee5. The film stars Seema Biswas, Indranil Sengupta, Siddhant Kapoor, Barkha Bisht in the lead roles. The story of the film is shown in the Corona period. The story of relationships between families in an apartment in Mumbai is shown. However, the film does not succeed in presenting that period with credibility. The anthology film India Lockdown, Unpaused - Naya Safar, Bheed... with four stories were based on the stories of the Corona period. They showed stories ranging from the difficulties during the pandemic to the making and breaking of human relationships. The film Chalti Rahe Zindagi directed by Aarti S Baghdi, released on Zee5, is also based on the lockdown after the news of the arrival of Corona. This was the period when some stories of humanity were hopeful, while some were hair-raising. Life seems to be going on very easily in 'Chalti Rahe Zindagi'. The film falters right there. What is the story of the ongoing life? The story is about three different families living in a society in Mumbai. Krishna Bhagat (Siddhant Kapoor) comes to the house of that building to sell bread and food items. Aaru's (Barkha Bisht Sengupta) husband has an affair with Barkha, the wife of Arjun (Indranil Sengupta) who has come to live in the same society, during the lockdown. Aaru comes to know about her husband's infidelity. Still, she allows Arjun, who has returned from Pune, to stay in her house. Aakash (Rohit Khandelwal), an anchor of Desh News TV channel, who lives in this building, runs his program from home. His mother Sushma (Flora Jacob) has lent fifty thousand rupees to Krishna. During the lockdown, Aakash pressurizes his mother to get that money back from Krishna. Meanwhile, Krishna, troubled by less work and debt, decides to go to his village with his family, so that he can arrange money by selling the land. During that journey, 12 people including Krishna die while sleeping on the railway track. Naina (Manjari Fadnis) lives with her mother-in-law Leela (Seema Biswas) and daughter Siya (Anaya). The 70-year-old mother-in-law is always afraid of contracting the disease from someone else. Naina takes online dance classes, but gradually all the students stop it. When the world stops, how do everyone reevaluate their relationships? How do they understand the pain of others? The story is about that. Where did the film keep going, where did it stop? It is told at the beginning of the film that it was shot under complex circumstances during the pandemic. This is the reason why many scenes of the film are also repeated. Gaurav and Barkha's faces are not shown in the beginning. It seems awkward. The dialogues depict the tension in the characters' lives, but it is not felt while watching the story. Siddhant's character is mostly seen without wearing a mask. No one says anything to him in the building. Everyone is taking things without any concern, as if they have no fear of Corona. His talks are happening only within the confines of the house. This is not digestible. The film does not even go into the reasons for Gaurav and Barkha's infidelity. Aaru seems hurt by her husband's infidelity, but Arjun is not particularly affected. There is no connection of this story with the lockdown. These relationships could have been possible even if there was no pandemic. Similarly, watching the painful death of Krishna sleeping on the railway track does not give you goosebumps. There is no surge of emotions. The story written by Varsha Khadidaha, Aarti S. Baghdi, Shakir Khan and Arun Bhutra lacks tightness. The story does not touch your heart from anywhere. Indranil Sengupta and Barkha Sengupta are experienced actors, but their character writing is weak. Their acting also fails to achieve it. Rohit Khandelwal does justice to his role as a TV anchor. Flora Jacob, who plays Akash's mother and keeps track of all the women in the building, is interesting. However, her family story seems incomplete. Manjari Fadnis looks good in the role of a dancer. The attraction of the film is Seema Biswas. Her short temper and conflict with her granddaughter seem real. Siddhant Kapoor's acting in the role of selling bread along with poetry is commendable. The work of Trimala Adhikari, who plays his wife, is noteworthy. The film's songs and music are ordinary.

This month, many great films have knocked at the box office. Vicky Kaushal's Bad News was the most awaited film among the films released this month. At the same time, many blockbuster

films are going to be launched in August as well. It is starting with Ajay Devgan's Auron Mein Kahan Dum Tha, for which the actor's post has come out regarding the advance booking. Ajay Devgan's film is 'Auron Mein Kahan Dum Tha' This is Ajay Devgan and Tabu's 10th film together - 'MS Dhoni' The director of this movie is Ajay Devgn. Ajay Devgn often tries to do something different in his films. The magic of some of his movies works on the screen in such a way that people do not forget his performance even after years.

This year the actor's 'Shaitan' and 'Maidan' were released and now he is going to present 'Auron Mein Kahan Dum Tha' with Tabu. Ajay Devgan-Tabu's upcoming film- Neeraj Pandey, who made films like 'MS Dhoni: The Untold Story' and 'Special 26', is now coming up with 'Auron Mein Kahan Dum Tha'. He has directed this film. Ajay Devgan and Tabu have worked in many films so far and now they are going to appear with their 10th film. 'Auron Mein Kahan Dum Tha' is a love story. This is the story of two lovers who meet after 22 years. To know what happens after this, you will have to watch the film, which is releasing on August 2. Advance booking of 'Auron Mein Kahan Dum Tha' has started. Ajay Devgan has given information about this by posting. What does the trend of the film say? - If you see the trend of this film on Book My Show, then at present it has received a decent response. More than 25 thousand people have shown interest in the film. This number can also increase. Star cast of 'Auron Mein Kahan Dum Tha' - Apart from Ajay Devgan and Tabu, the star cast of the film will include Shantanu Maheshwari, Jimmy Shergill and Sai Manjrekar in lead roles.

